विशेषसूचना > 15 जनवरी 2022 तक उत्तरपत्रिका भेजें

# श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यग्ज्ञान अभ्यासक्रम

## मास्टर ऑफ जैनिज्म् द्वितीय वर्ष-१

जून - २०२१
गुणांक - ५०

## प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा। २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें। ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे। ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है। ५. गलत एनरोलमेन्ट नंबर तथा नहीं समझे ऐसे एनरोलमेन्ट नंबर के १० अंक कम कर लिये जायेंगे। ६. समय पर ता. २५ अक्टोबर तक पेपर नही मिले तो दूसरे १० अंक कम किये जायेंगे। ७. निबंध के मार्क्स ग्रेड पद्धति से दिये जायेंगे। ८. जवाब पत्र, निबंध में नाम, एनरोलमेन्ट नंबर, वर्ष और सत्र लिखना जरुरी है। ९. जवाब तत्वार्थ सूत्र की अभ्यास पुस्तक के अध्याय ६ से ७ मेंसे लिखे जायेंगे।(पृष्ठ संख्या १४८ से १९१)

२५

**प्रश्न नं. १ योग्य विकल्प ढूंढकर रिक्त स्थान की पूर्ति करो**

१. जगत के स्वभाव और शरीर का चिन्तन..... के लिये करना चाहिये।
२. व्रती बनने के लिये.....का त्याग आवश्यक माना गया है।
३. मैत्री का विषय..... है।
४. इच्छा पूर्वक प्रवृति करना..... है।
५. सामान्य रुप से ..... ही सब कर्म प्रकृतियों के बन्ध हेतु हैं।
६. संसारी जीव शुभ या अशुभ प्रवृति करते समय..... अवस्थाओं में से किसी न किसी अवस्था में अवश्य रहते हैं।
७. संतोष ..... का मूल है।
८. किसी तरह का दुर्ध्यान न हो उसी स्थिति में..... व्रत विधेय माना गया है।
९. तीन प्रकार को योग समान होने पर भी कषाय न हो तो उपार्जित कर्म में..... का बंध नहीं होता।
१०. दूसरे के किये गये पापकार्य को प्रकट करना..... है।
११. बिना विवेक के देह दमन की क्रियाएँ करना..... है।
१२. देश काल आदि की परिस्थिति तथा मानव बुद्धि की संस्कारित के अनुसार..... बनता है।
१३. इर्यापथ कर्म की स्थिति..... मानी गई है।
१४. पराधीनता के कारण या अनुसरण के लिये अहितकर प्रवृति का त्याग करना ..... है।
१५. त्याग के प्रथम स्तम्भ होने से भूलभूत गुण..... कहलाते है।
१६. व्रत-नियम आदि योग्य अंकुश में अरुचि रखना..... कर्म के बन्ध के कारण हैं।
१७. प्राणियों को दुःख पहुंचे ऐसी कषाय पूर्वक प्रवृति..... है।
१८. ..... के शुभत्व अशुभत्व का आधार भावना की शुभाशुभता पर है।
१९. निसर्ग यह..... का मुख्य एक भेद है।
२०. जीवन का अंत निश्चित रुप से समीप दिखाई दे उस समय किसी तरह का दुर्ध्यान न हो तब.....व्रत विधेय माना गया है।
२१. रागद्वेष आदि विकारों का अभाव साधकर समभाव का परिशीलन करना..... है।
२२. जो सत्य होने पर भी दूसरे को पीडा पहूँचाता हो ऐसा..... कथन असत है।
२३. हिंसाविरति आदि व्रतों का अल्पांश में धारण करना..... है।
२४. भावनाओ के अनुसार व्रतों का ठीक ठीक पालन किया जाये तो ..... के समान सुन्दर परिणामकारक सिद्ध होते हैं।
२५. वस्तु के स्वामी की आज्ञा के बिना वस्तु को चौर्य बुद्धि से ग्रहण करना..... है।

२५

**प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो**

१. जिसके पालन और अनुसरण से सद्गुणों की वृद्धि हो वह क्या है ?
२. पहले से दसवें गुणस्थानक तक के सभी जीव न्यूनाधिक प्रमाण में कैसे होते हैं ?

६. किसकी विशेषता में देय वस्तु के गुणों का समादेश होता है ?
७. छुरी आदि निर्जिव वस्तु की तीव्रता रुप शक्ति आदि क्या हैं ?
८. देय वस्तु को सचेतन वस्तु से ढँक देना कौनसे व्रत का अतिचार है ?
९. अनगार किससे मुक्त हैं ?
१०. जगत स्वभाव एवं शरीर स्वभाव के चिंतन से किसका बीज वपन होता है ?
११. जाग्रत और कुशाग्र बुद्धि का झुकाव किसकी ओर होगा ?
१२. अहिंसाव्रत में से निष्पन्न होने वाले अनेक व्रतों में से एक कौनसा व्रत है ?
१३. किन विषयों की अभिलाषा करना कांक्षातिचार है ?
१४. व्यवहार दृष्टि से मानवीय व्यवस्था के सामंजस्य का आधार क्या है ?
१५. इर्यापथिकी क्रिया किसके आश्रव का कारण नहीं है ?
१६. व्रत्यनुकम्पा यह कौनसे कर्म के बंध हेतु हैं ?
१७. दूसरों के उत्कर्ष से प्रसन्न होना क्या है ?
१८. बिना इच्छा के कृत्य का हो जाना क्या हैं ?
१९. किस विषय में दूसरों को ठगना माया क्रिया है ?
२०. पशुपक्षी की भांति किस समाज के मनुष्य बिना आवश्यकता दूसरे जीवों के प्राण लेते हैं ?
२१. जैन उपासना का ध्येय उसके तत्वज्ञान के अनुत्तर क्या है ?
२२. असमीक्ष्य अधिकरण कौन से व्रत का अतिचार है ?
२३. किस पर निष्काम स्नेह रखना प्रवचन वात्सल्य कहलाता है ?
२४. कामोद्दीपक रसयुक्त खानपान का त्याग करना क्या है ?
२५. ज्ञान प्रदोष आदि आश्रवों को सेवन के समय किसके अनुभाग का बंध मुख्य रुप से होता है ?

प्रश्न नं. ३ विविध ग्रंथो की सहायता से तुम्हारे शब्दों में १५ से १६ पन्नो का महानिबंध लिखो (कोई भी एक )

१. **अहिंसा परमोधर्म** (हिंसा की व्याख्या, स्वरुप, हिंसकवृत्ति, हिंसा से निवृत्ति, अहिंसा की प्रधानता, रात्रिभोजन त्याग, अहिंसा से लाभ आदि))
२. **व्रत और व्रती** (व्रत की व्याख्या, व्रत के भेद, भावनायें, त्याग धर्म, योग्यता, अतिचार, जीवन में व्रत की आवश्यकत क्यों ?)
३. **दान धर्म** (दान की व्याख्या, दान के प्रकार, भूषण, दूषण, ममत्व का त्याग, दान से प्राप्त इहलौकिक, परलौकिक सुख इ.

निबंध के लिये नीचे मुजब ग्रेडिंग रहेगी

१) ४० मार्क्स के उपर A+ २) ३५ मार्क्स के उपर A ३) ३० मार्क्स के उपर B+ ४) २५ मार्क्स के उपर B
५) २० मार्क्स से कम C

उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :